RECENT EDUCATIONAL & PSYCHOLOGICAL RESEARCHES
RESEARCH
Vol. : 7, Issue : 2 & 3
Jul. - Dec. (2018), Joint Edition, Pages : 47 - 50
ISSN 2278 – 5949
International Refereed & Blind Peer-Reviewed Research Journal

## क्रियात्मक अनुसंधान

# राजकीय कार्यों हेतु विद्यार्थियों के सम्बन्ध में समय–समय पर माँगे जाने वाली सामान्य जानकारियों को विद्यार्थियों द्वारा समय पर उपलब्ध ना करा पाने की समस्या को समाप्त करने हेतु नवाचारी विचार का अध्ययन

**विनोद कुमार यादव[1] एवं हेमलता यादव[2]**

1. प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रतूड़ा, रुद्रप्रयाग
2. सहायक प्रोफेसर, लोकमान्य तिलक एजुकेशन कालेज, इंदौर

*Received* : 27/10/2018 *1st BPR* : 05/11/2018 *2nd BPR* : 22/11/2018 *Accepted* : 06/12/2018

**ABSTRACT**

प्रस्तुत शोध राजकीय कार्यों हेतु विद्यार्थियों के सम्बन्ध में समय–समय पर माँगे जाने वाली सामान्य जानकारियों से सम्बंधित है। विद्यार्थियों द्वारा समय पर जानकारियाँ उपलब्ध ना करा पाने की समस्या को समाप्त करने हेतु नवाचारी विचार का अध्ययन है। इस नवाचारी क्रिया कलाप से यह जानकारी मिलती है कि ''विद्यार्थी भी अपने से सम्बंधित सामान्य जानकारी से भली भांति परिचित हो रहे हैं, साथ ही अभिभावक इन जानकारियों को अपने स्तर से एकत्र कर अपने पाल्य को उपलब्ध करा रहे हैं, क्योंकि इसमें उन्हें तत्काल ही उपलब्ध कराने की बाध्यता नहीं है।'' इसके अतिरिक्त अन्य जानकारियां इसमे जोड़ी जा सकती हैं और सम्बंधित सूचनाओं को अंग्रेजी भाषा में भी लिखवाया जा सकता है आदि।

की–वर्ड : विद्यार्थियों की जानकारियाँ, अभिभावकों की रूचि, समस्या समाप्ति के लिए नये विचार चेक करना ।

### पृष्ठभूमि

विगत कई वर्षों से विद्यालयों के अनुश्रवण/अनुसमर्थन के समय अध्यापकों द्वारा यह समस्या बताई जा रही थी की, विभिन्न कार्यालयों द्वारा विद्यार्थियों के सम्बन्ध में ऐसी सूचना चाही जाती हैं, जो उन्हें विद्यार्थियों से उनके अभिभावकों के द्वारा विद्यालय में मँगवाई जानी होती हैं, परन्तु उन सूचनाओं को विद्यार्थियों द्वारा समय से विद्यालय में नहीं लाने के कारण शिक्षकों को, उच्च स्तर से समय से कार्य ना करने का पत्र/मौखिक सूचना मिलती है, जिस कारण वे परेशान रहते हैं और शिक्षण कार्य करने में असहजता का अनुभव करते हैं।

### योजना का उद्देश्य

शिक्षक, विद्यार्थियों के सम्बन्ध में समय–समय पर माँगे जाने वाली सामान्य जानकारियों को उच्च स्तर पर समय से उपलब्ध करा पाएगें।

### समस्या का क्षेत्र

शिक्षक, विद्यार्थियों के सम्बन्ध में समय–समय पर माँगे जाने वाली सामान्य जानकारियों को उच्च स्तर पर समय से उपलब्ध कराना।

### समस्या का विशिष्ट क्षेत्र

जनपद रुद्रप्रयाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के सम्बन्ध में समय–समय पर माँगे जाने वाली सामान्य जानकारियों को उच्च स्तर पर समय से उपलब्ध नहीं करा पाते हैं।

जनपद रुद्रप्रयाग के राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, इन विद्यालयों का चयन यादृछिक प्रतिदर्श विधि (Random Sampling) द्वारा किया गया है।

RESEARCH
RECENT EDUCATIONAL & PSYCHOLOGICAL RESEARCHES
Issue : 2 & 3, Vol. : 7, Jul.-Dec. (2018), Joint Edition, Pages : 47 - 50, ISSN 2278 – 5949
International Refereed & Blind Peer-Reviewed Research Journal



**समस्या के कारणों का अध्ययन**

| क्र0 सं0 | कारण | साक्ष्य | तथ्य / अनुमान | शोधकर्ता का नियंत्रण |
|---|---|---|---|---|
| 1 | विद्यार्थियों को सामान्य जानकारियों का याद ना होना | विद्यार्थियों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | विद्यार्थियों से प्राप्त जानकारी |
| 2 | अभिभावकों को विद्यालय आने का समय ना मिलपान | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी |
| 3 | कुछ सामान्य जानकारियों का समय समय पर बदल जाना | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी |
| 4 | अभिभावकों का जानकारी देने में रूचि ना लेना | विद्यार्थियों व् शिक्षकों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | विद्यार्थियों व् शिक्षकों से प्राप्त जानकारी |
| 5 | विद्यार्थियों के सम्बन्ध में नवीन जानकारी का विद्यालय में उपलब्ध ना होना | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी |
| 6 | विद्यालय अभिलेखों में जानकारी को खोजने में समस्या का आना | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी | तथ्य | शिक्षकों से प्राप्त जानकारी |

कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक परिकल्पनाओं का प्रतिपादन किया गया।

**क्रियात्मक परिकल्पना का निर्माण** –

1 विद्यालय के अध्यापकों को विद्यार्थियों से सम्बंधित सामान्य जानकारियां तत्काल उपलब्ध हो पाएंगी ।
2 सामान्य जानकारी की उपलब्धता के कारण शिक्षण कार्य में कोई व्यावधान नही होगा ।
3 विद्यार्थियों को अपने अध्यापकों को सामान्य जानकारी प्राप्त कराने में किसी प्रकार का मानसिक तनाव का अनुभव नही होगा।
4 अध्यापकों को समय–समय पर उच्च स्तर से माँगी जाने वाली विद्यार्थियों से सम्बंधित सामान्य सूचना को उच्च स्तर के कार्यालयों को उपलब्ध कराने में सहजता होगी।

**(अ) क्रियात्मक पक्ष**

1 सामान्य जानकारियों को समय से विद्यालय में उपलब्ध कराने हेतु smc बैठक में अभिभावकों को समझाने हेतु शिक्षकों को समझाया गया।
2 शिक्षकों को विद्यार्थियों द्वारा नई लेबलिंग के विषय में जानकारी देने हेतु मार्गदर्शन दिया जाना।

**(ब) लक्ष्य पक्ष**

1 विद्यार्थी समय पर अपने से सम्बंधित जानकारियों को विद्यालय को प्राप्त करा पाएँगे।
2 शिक्षक समय से विद्यार्थियों से सम्बंधित सामान्य जानकारियों को उच्च स्तर के कार्यालयों को उपलब्ध करा पाएंगें।

**आंकड़ों का संचयन** – आंकड़ों को जनपद के चयनित विद्यालयों से एकत्रित किया गया है।

**प्रयोग** – सामान्य तौर पर यह देखा गया है की विद्यार्थी अपनी कापी के पहले पृष्ठ पर नाम का निम्नलिखित लेबल लिखते हैं।

जैसे –

| | | | |
|---|---|---|---|
| नाम | – | कक्षा | – |
| विद्यालय का नाम | – | | |
| विषय | – | रोल नं0 | – |

नोट – इस पृष्ठ का बाकि हिस्सा खाली (अप्रयुक्त) ही रहता है।

RECENT EDUCATIONAL & PSYCHOLOGICAL RESEARCHES
Issue : 2 & 3, Vol. : 7, Jul.-Dec. (2018), Joint Edition, Pages : 47 - 50, ISSN 2278 – 5949


**अनुसंधान में प्रयुक्त विभिन्न स्तर एवं प्रक्रिया –**

| क्र0सं0 | क्रियाएं | विधि | स्रोत | समय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | जनपद के तीनों ब्लाकों से 30 (10+10+10) विद्यालयों की सूची तैयार करना | यादृछिक प्रतिदर्श विधि (Random Sampling) द्वारा विद्यालयों का चयन | जनपद डायस रिपोर्ट द्वारा | एक सप्ताह |
| 2 | समय से सामान्य जानकारी उपलब्ध न करने वाले विद्यार्थियों की सूची शिक्षकों से तैयार करवाना | पूर्व के अनुभव के आधार पर | अध्यापक का अनुभव | एक सप्ताह |
| 3 | चयनित विद्यार्थियों की कापी पर नवीन लेबलिंग करना | संलग्न लेबलिंग के बिन्दुओं को विद्यार्थियों को घर से भरवाने के लिए देना | संलग्न लेबलिंग के अनुसार | दो सप्ताह |
| 4 | नवीन लेबलिंग के लाभ से अभिभावकों को परिचित करवाना | SMS (विद्यालय प्रबंधन समिति) की बैठक कर नवीन लेबलिंग के लाभ से अभिभावकों को परिचित करवाना | SMS (विद्यालय प्रबंधन समिति)की मासिक बैठक का आयोजन | दो सप्ताह |

**नवाचारी कार्य–**

नवीन लेबलिंग का प्रारूप के प्रयोग से विद्यार्थी की समस्त सामान्य जानकारी को आवश्यकता होने पर विद्यार्थियों से तत्काल प्राप्त किया जा सकता है।

विद्यालय का नाम–........................................................................................ एस०आर०नं० .................

नाम –................................................................................ कक्षा .................... रोल नं0............................

माता का नाम–......................................................... पिता का नाम .....................................................

जन्म तिथि–....... / ....... / ............... , उम्र– ........वर्ष, आधार नं० ........................................जाति ...................

खाता सं०–......................................................... बैंक का नाम–...............................................................

IFSC – .............................. अभिभावक फोन नं० ................................... APL/BPL सं० .................................

घर का पता – ........................................................................................ पिन कोड – .......................................

विकास खण्ड–.................................. जिला–.......................................... प्रदेश–...............................................

विद्यालय का UDISE कोड ................................................ सत्र : ............ – ........... ह० ........................

नोट– जाति में कोड दिया जाना लाभकारी होगा (जैसे–GEN/SC/ST/OBC) अध्यापक अपने कोड स्वयं भी बना सकते हैं।

**आंकड़ों की विवेचना –**

अध्यापकों से साक्षात्कार कर विवेचना की गई है।

**मूल्यांकन–**

एक माह पश्चात् यह पाया गया की जिन विद्यालयों में इस प्रकार की लेब्लिग की गयी वहाँ के अध्यापकों को विद्यार्थियों से सम्बंधित सूचनाओं का आदान–प्रदान करने में सहजता होने लगी है और वह सामान्य सूचनाओं के प्रेषण में अपने को तनाव मुक्त समझ पा रहे हैं।

RESEARCH
RECENT EDUCATIONAL & PSYCHOLOGICAL RESEARCHES
Issue : 2 & 3, Vol. : 7, Jul.-Dec. (2018), Joint Edition, Pages : 47 - 50, ISSN 2278 - 5949


इस नवाचारी क्रिया कलाप से यह भी जानकारी मिल रही है की, विद्यार्थी भी अपने से सम्बंधित सामान्य जानकारी से भली भांति परिचित हो रहे हैं, साथ ही अभिभावक इन जानकारियों को अपने स्तर से एकत्र कर अपने पाल्य को उपलब्ध करा रहे हैं, क्योंकि इसमें उन्हें तत्काल ही उपलब्ध कराने की बाध्यता नहीं है।

**आगे के लिए किये जाने वाले कार्य** –

इसके अतिरिक्त अन्य जानकारियां इसमे जोड़ी जा सकती हैं और सम्बंधित सूचनाओं को अंग्रेजी भाषा में भी लिखवाया जा सकता है आदि।

**अध्यापकों हेतु साक्षात्कार प्रश्न (पश्च-पोषण)** –

1 क्या नवाचारी लेब्लिग से आप को लाभ हुआ है ? (हाँ / नहीं)
2 क्या नवाचारी लेब्लिग को विद्यार्थियों से करने में परेशानी का अनुभव हुआ है ?
(हाँ / नहीं / सामान्य परेशानी / बहुत अधिक परेशानी)
3 क्या आप आगामी वर्षों में भी इस लेब्लिग को अपनाना चाहेंगे ? (हाँ / नहीं)
4 क्या आप SMC बैठकों में अभिभावकों को इसकी जानकारी देना पसन्द करेंगे? (हाँ / नहीं)
5 क्या विद्यार्थियों को नवाचारी लेब्लिग से कोई लाभ हुआ है?

.....

.....

ह० अध्यापक

अध्यापक का नाम .....
विद्यालय का नाम .....

**सन्दर्भ ग्रन्थ**


- राहेंय प्रशिक्षण साहित्य, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उत्तराखण्ड।
- शोध प्राप्तियां (2013), सीमैट उत्तराखण्ड ननूरखेड़ा, देहरादून।
- परख, सन्दर्भ साहित्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूड़ा, रुद्रप्रयाग।
- शर्मा आर०ए०, शिक्षा अनुसन्धान, सूर्या प्रकाशन, मेरठ।